

## ‘राजस्थान लोकाभिव्यक्तिके आयाम’ (दी फोक डांसेज ऑफ राजस्थान) पुस्तक

### चर्चा में क्यों?

7 जुलाई, 2022 को राजभवन में राज्यपाल कलराज मशिर को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त नदिशक पन्नालाल मेघवाल ने अपनी पुस्तक ‘राजस्थान लोकाभिव्यक्तिके आयाम’ एवं उसका अंगरेज़ी अनुवाद ‘दी फोक डांसेज ऑफ राजस्थान’ की प्रथम प्रतीभेंट की।

### प्रमुख बंदि

- नदिशक पन्नालाल मेघवाल ने बताया कि ‘राजस्थान लोकाभिव्यक्तिके आयाम’ पुस्तक में राजस्थान के लोकनृत्यों, लोकगायन एवं लोकवादन की परंपरा के बारे में शोधपरक जानकारियाँ शामिल की गई हैं।
- इस पुस्तक में राजस्थान के तेरहताली, घूमर, चरी, कालबेलिया, चकरी, भवाई, जसनाथी, धाकड़, गीदड़, वीर तेजाजी, कच्छी घोड़ी, कथौड़ी, भील, गरासिया, गैर, चंग, बम, ढोल एवं शूकर लोकनृत्य सम्मलिति हैं।
- पुस्तक में मांड, मांगणयार एवं लांगुरया गायन, तुररा कलंगी, कुचामणा ख्याल एवं गवरी लोकनाट्य, सहरया एवं टूंटया स्वांग, बीकानेर की रम्में, राजस्थान की नट परंपरा, कठपुतली नृत्य कला एवं राजस्थान के लोक वाद्य यंत्रों का वषिद वविचन कथिया गया है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/the-folk-dances-of-rajasthan>